ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:02.04.2024

नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान–जारी करने का दिन: 2024-04-02(अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	03/04/2024	04/04/2024	05/04/2024	06/04/2024	07/04/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	2.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान (से.)	23.0	23.0	24.0	22.0	24.0
न्यूनतम तापमान (से.)	10.0	11.0	12.0	11.0	11.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	70	75	75	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	35	35	35	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	11	12	10	12	11
पवन दिशा (डिग्री)	230	230	230	270	270
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	7	4	2	1

सम सारांश/ चेतावनी:

आगामी दिनों में क्रमशः 22-24oC और 10-12oC के अधिकतम-न्यूनतम तापमान के साथ 3 मार्च को 2 मिमी की बहुत हल्की वर्षा होने की उम्मीद है। 10-12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम दिशा से हवा चलने का अनुमान है. क्षेत्र में शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है।.

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में एक नियमित अपडेट “मेघदूत ऐप” पर उपलब्ध है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए “दामिनी ऐप” भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और ऐप सेंटर (iOS यूज़र) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई समग्र क्षेत्र में अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित सीमा पूर्वानुमान प्रणाली से पता चलता है कि 29 मार्च-4 अप्रैल तक अनुमानित प्रवृत्ति में अधिक वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति देखी जाएगी। सिंचाई अनप्रयोग और किसी भी अन्य रोग/कीट नियंत्रण उपायों का पालन किया जाना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है इसलिए किसानों को नियमित अंतराल पर सिंचाई करने का सुझाव दिया जाता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
मसूर/ फील्ड पी	फली निर्माण/ परिपक्वता	फली बनने के चरण में सिंचाई करनी चाहिए और फली छेदक, पत्ती सुरंगक या माहू कीट हमले के खिलाफ अनुशंसित कीटनाशक या रोग नियंत्रण उपायों का पालन करना चाहिए। परिपक्व फलियों की तुड़ाई करें भलीभाँति संरक्षित करें।
पीली सरसों (राड़ा)	परिपक्वता/ फली निर्माण	पकी हुई फसल की कटाई कर उसे गहाई से पहले अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए, जबकि फली बनने की अवस्था में सिंचाई के उचित उपाय करने चाहिए।
गेहूँ	आनाज भरना	सिंचाई अनुप्रयोग को आवश्यकता के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए और प्रमुख प्रतिस्पर्धी खरपतवारों के खिलाफ उचित खरपतवार प्रबंधन उपाय किए जाने चाहिए। रोग/कीट को नियंत्रित किया जाना चाहिए और वर्षा आधारित परिस्थितियों में फूल आने की अवस्था में यूरिया का प्रयोग करना चाहिए।
धान	बुआई	चेतकी धान की बुआई इस माह में की जा सकती है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
फ्रेंच बीन	बुआई	पहाड़ी क्षेत्रों में बुआई की जा सकती है।
चौलाई/मेथी	बुआई	पहाड़ी क्षेत्र में बुआई की जा सकती है।
टमाटर/बैंगन/शिमला मिर्च	बुआई	टमाटर/बैंगन/शिमला मिर्च की पॉलीहाउस/पॉलीनेट तैयारी मध्य पहाड़ियों में की जा सकती है।
लहसुन	बुआई	पहाड़ी क्षेत्र में बुआई की जा सकती है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशु पालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	गर्भ से हुए पशुओं में प्रसव ज्वर की रोकथाम के लिए 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण देना चाहिए। उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए उन्हें प्रतिदिन यह मिश्रण खिलाया जाना चाहिए क्योंकि इस दौरान उनमें बाँझपन और जॉन्स रोग (पैराट्यूबरकुलोसिस) रोग होने का खतरा होता है। वयस्क पशुओं में खुरपका एवं मुँहपका नमक बीमारी का टीकाकरण करवाने से 15 दिन पूर्व कृमिनाशक दवाई का इस्तेमाल अवश्य करें।